विंबलडन के सेमीफाइनल में राफेल नडाल से टकरा सकते हैं एंडी मरे

लंदन, (आरएनएस)। गत चैंपियन एंडी मरे सोमवार से शुरू होने वाले साल के तीसरे ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में दो बार के विजेता राफेल नडाल से टकरा सकते हैं। दूसरे सेमीफाइनल में सात बार के चैंपियन रोजर फेडरर और नोवाक जोकोविक आमने-सामने हो सकते हैं। शुक्रवार को निकाले गए ड्रॉ के अनुसार शीर्ष वरीय ब्रिटिश खिलाड़ी मरे अपने अभियान की शुरुआत में क्वालीफायर के खिलाफ करेंगे और अंतिम 16 में उनका सामना फ्रांस के लुकास पौउली से हो सकता है। वहीं तीन बार के चैंपियन सर्बिया के जोकोविक स्लोवाकिया के मार्टिन कलिजन से पहला मुकाबला खेलेंगे। तीसरे दौर में जोकोविक की भिड़ंत जुआन मार्टिन डेल पोत्रो से हो सकती है। इन दोनों की भिड़ंत टूर्नामेंट के पहले हफ्ते का आकर्षण होगी। दूसरे वरीय जोकोविक ने 2013 के सेमीफाइनल में अर्जेंटीना के पोत्रो को पांच सेट तक चले मुकाबले में पराजित किया था। वहीं पोत्रो ने पिछले साल रियो ओलंपिक में जोकोविक को मात दी थी। तीसरे वरीय स्विट्जरलैंड के फेडरर रिकॉर्ड आठवें खिताब के लिए अपने अभियान की शुरुआत यूक्रेन के अलेक्जेंडर डोल्गोपोलोव के खिलाफ और चौथी वरीय स्पेनिश स्टार ऑस्ट्रेलिया के जॉन मिलमैन के खिलाफ शुरुआत करेंगे। फेडरर अंतिम-16 में ग्रिगोर दिमित्रोव और क्वार्टर फाइनल में 2016 के उपविजेता मिलोस राओनिक व अलेक्जेंडर ज्वेरेव के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से भिड़ सकते हैं। रिकॉर्ड 10वीं पर फ्रेंच ओपन की ट्रॉफी जीतने वाले नडाल प्री क्वार्टर फाइनल में जाइल्स मूलर और अंतिम आठ में केई निशिकोरी या मारिन सिलिक से खेल सकते हो। ऐसा हो सकता है कि नडाल और फेडरर चौथी बार के फाइनल में आमने-सामने हों। इससे पहले यह दोनों 2006, 07 और 2008 में भिड़ चुके हैं।

मैं खिलाड़ियों से मिलता हूं तो मुझे नया भारत दिखता है: मोदी

अहमदाबाद, (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अहमदाबाद के मनीनगर में ट्रांसस्टेडिया द्वारा निर्मित खेल स्टेडियम 'द एरीना' का उद्घाटन किया। यह शहरी खेल इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में भारत की पहली और एकमात्र पब्लिक प्राइवेट प्रॉपर्टी का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने ट्रांसस्टेडिया के अध्यक्ष हरीश सेठ एवं प्रबंध निदेशक उदित सेठ के साथ स्टेडियम में उपलब्ध सुविधाओं एवं इसके संचालन का निरीक्षण किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार जल्द ही खेल महाकुंभ की तर्ज पर 'खेले इंडिया' योजना की शुरुआत करेगी। इस अवसर पर सेठ ने कहा, 'यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है एवं हम आभारी हैं कि प्रधानमंत्री ने इस परियोजना का लोकार्पण किया। हमें पूर्ण विश्वास है कि प्रत्येक शहरी क्षेत्र के लिए यह अभिनव सिटी सेंटर मॉडल भारत में खेल के तरीके को बदल देगा, जहां खेल के अलावा स्वास्थ्य एवं तंदुरुस्ती, अवकाश और इस प्रकार के अन्य क्रियाकलापों के लिए भी अवसर मौजूद होंगे। हमने विश्व के आधुनिकतम स्टेडियम का निर्माण किया है। मोदी ने कहा, 'हमें ऐसे कल्चर को अपनाना चाहिए, जहां खेलों को प्रोत्साहित किया जाए। प्रधानमंत्री ने राज्य के युवाओं से अपील की कि वे सभी ट्रांसस्टेडिया में आएं।' खेलों में लड़कियों की भागीदारी की प्रशंसा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, 'आजकल खेलों में भी महिलाएं पुरुषों को कड़ी चुनौती दे रही हैं। भारत सिर्फ क्रिकेट में ही नहीं बल्कि दूसरे खेलों में भी अच्छा प्रदर्शन कर सकता है। मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे खिलाड़ी ओलंपिक में भी खुद को साबित करेंगे।' उन्होंने कहा कि हम जल्दी ही खेल महाकुंभ की तर्ज पर 'खेले इंडिया' योजना की शुरुआत करेंगे। मोदी ने खिलाड़ियों की तारीफ करते हुए कहा, 'मैं जब भी खिलाड़ियों से मिलता हूं, तो मुझे एक नया भारत दिखता है। खेल भी देश की सेवा का एक माध्यम हैं।' उन्होंने कहा, 'यह जरूरी नहीं है कि हर खिलाड़ी राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय स्तर का खिलाड़ी हो। खेल हमें जीना सिखाते हैं और इसके बावजूद हमारे समाज के लोग खिलाड़ियों की अनदेखी करते हैं। प्रधानमंत्री के अलावा इस मौके पर गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी, उप-मुख्यमंत्री नितिन पटेल, भारतीय टीम के बैडमिंटन कोच पुलेला गोपीचंद, बैडमिंटन खिलाड़ी श्रीकांत किदांबी, निशानेबाज गगन नारंग, पहलवान सुशील कुमार, पैरालिंपियन दीपा मलिक, भारतीय कबड्डी टीम के कप्तान अनूप कुमार, भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान बाईचुंग भूटिया तथा भारतीय क्रिकेट खिलाड़ी इरफान पठान और पार्थिव पटेल मौजूद थे। इस स्टेडियम में 20,000 लोगों के बैठने की क्षमता के साथ फीफा के मानकों के अनुरूप फुटबाल मैदान है। इसके अलावा वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, बैडमिंटन के लिए मल्टी-स्पोर्ट्स हॉल भी हैं। साथ ही स्क्वैश कोर्ट, टेबल टेनिस कोर्ट और टेनिस कोर्ट भी बनाया गया। इसी स्टेडियम में 2016 में कबड्डी वर्ल्ड कप का आयोजन किया गया था।

कॉमनवेल्थ और एशियन गेम्स में बदलाव से भारतीय पहलवानों को झटका

नई दिल्ली, (आरएनएस)। अगले साल ऑस्ट्रेलिया के गोल्ड कोस्ट में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स और जकार्ता में होने वाले एशियन गेम्स से पहले ही भारतीय पहलवानों को तगड़ा झटका लगा है। इन दोनों ही खेलों के आयोजकों ने ओलंपिक को ध्यान में रखते हुए फ्रीस्टाइल कुश्ती के भार वर्गों में कटौती की है, जबकि कॉमनवेल्थ गेम्स से ग्रीको रोमन कुश्ती को ही हटा दिया गया है। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआइ) के अधिकारी ने बताया कि अब रियो ओलंपिक की ही तरह अगले कॉमनवेल्थ गेम्स और एशियन गेम्स में फ्रीस्टाइल कुश्ती के महिला व पुरुषों के छह-छह भार वर्ग के ही मुकाबले होंगे। कॉमनवेल्थ गेम्स से ग्रीको रोमन को पूरी तरह हटा दिया गया है जबकि एशियन गेम्स में भी ग्रीको रोमन के छह भार वर्ग के ही मुकाबले होंगे। उन्होंने कहा कि रियो ओलंपिक की तरह अब इन दोनों बड़े खेल आयोजनों में पुरुष फ्रीस्टाइल में 57 किग्रा, 65 किग्रा, 74 किग्रा, 86 किग्रा, 97 किग्रा और 125 किग्रा आयु वर्ग के मुकाबले होंगे, जबकि महिलाओं में 48 किग्रा, 53 किग्रा, 58 किग्रा, 63 किग्रा, 69 किग्रा और 75 किग्रा भार वर्ग के मुकाबले होंगे। जकार्ता एशियन गेम्स में ग्रीकोरोमन के 59 किग्रा, 66 किग्रा, 75 किग्रा, 85 किग्रा, 98 किग्रा और 130 किग्रा भार वर्ग के मुकाबले होंगे। इससे पहले 2014 ग्लास्गो कॉमनवेल्थ गेम्स में पुरुष फ्रीस्टाइल वर्ग में सात भार वर्ग 57 किग्रा, 61 किग्रा, 65 किग्रा, 74 किग्रा, 86 किग्रा, 97 किग्रा व 125 किग्रा शामिल थे, जबकि इंचियोन एशियन गेम्स में आठ भार वर्ग 57 किग्रा, 61 किग्रा, 65 किग्रा, 70 किग्रा, 74 किग्रा, 86 किग्रा, 97 किग्रा और 125 किग्रा के मुकाबले हुए थे। पिछले कॉमनवेल्थ गेम्स में ग्रीकोरोमन कुश्ती भी शामिल थी। अगले कॉमनवेल्थ गेम्स से पुरुष फ्रीस्टाइल वर्ग से 61 किग्रा भार वर्ग को हटाया गया है, जबकि एशियन गेम्स से 61 किग्रा के साथ 70 किग्रा भार वर्ग को हटाया गया है। इस भार वर्ग में पिछली बार बजरंग पूनिया ने दोनों टूर्नामेंटों में रजत पदक जीते थे। बजरंग अब 65 किग्रा भार वर्ग में उतरेंगे। डब्ल्यूएफआइ अब कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए राहुल अवारे, संदीप और श्रवण को भी पदक के लिए तैयार कर रहा है, लेकिन इसके लिए इन्हें या तो 57 किग्रा से कम वर्ग में आने के लिए वजन कम करना होगा या फिर 65 किग्रा वर्ग में जाने के लिए वजन बढ़ाना होगा। डब्ल्यूएफआइ के अधिकारी ने कहा कि भारतीय ओलंपिक संघ ने हमसे पूछा था कि हम किन भार वर्ग में अपनी एंट्री भेजेंगे तो हमने उन्हें इसके बारे में सूचना दे दी है। निश्चित तौर पर भारतीय पहलवानों को इससे झटका लगा है, खास तौर पर ग्रीको रोमन पहलवानों को। 2020 ओलंपिक, कॉमनवेल्थ गेम्स और एशियन गेम्स में कई खेलों की कैटेगरी में बदलाव हुआ है। खेल मंत्रालय ने प्रभावित खेल संघों को ईमेल लिखकर उन्हें अपनी संशोधित योजनाओं को भेजने के लिए कहा है।

हॉकी विश्व लीग सेमीफाइनल: महिला हॉकी टीम होगी रवाना

नई दिल्ली, (आरएनएस)। भारतीय महिला हॉकी टीम 2018 महिला विश्व कप में जगह पक्की करने के इरादे से हॉकी विश्व लीग सेमीफाइनल में भाग लेने के लिए शनिवार को जोहानिसबर्ग रवाना होगी। भारतीय टीम वहां आठ जुलाई को अपने अभियान का आगाज करेगी। कप्तान रानी के नेतृत्व में भारतीय टीम ने पिछले छह दिनों तक यहां अभ्यास किया। टीम के मुख्य कोच जोर्ड मॉरिन ने कहा, 'हमने अंडर-18 लड़कों के खिलाफ पिछले एक सप्ताह में कुछ मैच खेले। लड़के अधिक तेजी के साथ हॉकी खेलते हैं और ऐसे में हमने इस चीज को ध्यान में रखकर उनके खिलाफ मैच खेलने का फैसला किया।

कार दुर्घटना में बुजुर्ग की मौत के मामले में विलियम्स की भी गलती

मयामी, (आरएनएस)। पुलिस की रिपोर्ट के अनुसार फ्लोरिडा ट्रैफिक दुर्घटना में टेनिस स्टार वीनस विलियम्स की 'गलती' थी, जिसमें एक 78 साल के व्यक्ति की मौत हो गई। रिपोर्ट के अनुसार 37 वर्षीय वीनस कार चलाते हुए चौराहे के बीच में धीमी हो गई, जिसके बाद व्यक्ति की 68 साल की पत्नी ने अपनी कार से इस टेनिस खिलाड़ी की कार में टक्कर मार दी। यह दुर्घटना मियामी के छोटे शहर पाल्म बीच गार्डन्स में 9 जून को हुई। पुलिस की रिपोर्ट के मुताबिक, इस दुर्घटना के वक्त वीनस गलत तरीके से 6 लेन वाले चौराहे में गलत तरीके से घुस गई। वीनस ने रेड लाइट को तोड़ दिया और उसके आगे ट्रैफिक होने के कारण उन्हें अपनी कार को बीच चौराहे पर रोकना पड़ा, जबकि दूसरी दिशा से एक कार अपने ग्रीन सिग्नल का पालन करती हुई तेजी से आ रही थी। रेड सिग्नल तोड़ने के कारण वीनस से सड़क पर ऐसी स्थिति पैदा कर दी, जिससे दुर्घटना को टाला नहीं जा सकता था। इस कार दुर्घटना में 78 वर्षीय जेरोम बार्सन की मौत हो गई, बार्सन अपनी पत्नी के लिंडा के साथ कार में सवार थे, दुर्घटना के कारण उन्हें गंभीर चोटें आई और 2 सप्ताह बाद अस्पताल में उनकी मौत हो गई। वीनस इस दौरान अपनी 2010 टोयोटा स्कोइया चला रही थीं। वहीं लिंडा बार्डन अपनी ह्युंडई एक्सेंट चला रही थीं।

दक्षिण चीन सागर के पास से गुजरा अमेरिकी युद्धपोत

वाशिंगटन (आरएनएस)। अमेरिका ने एक बार फिर चीन को कड़ी चुनौती दी है। रविवार को एक अमेरिकी युद्धपोत दक्षिण चीन सागर में बीजिंग द्वारा कब्जे वाले विवादित द्वीप के पास पहुंच गया। एक अमेरिकी अधिकारी का कहना है कि समुद्र में नेविगेशन की स्वतंत्रता के प्रदर्शन के लिए यह एक अभियान का हिस्सा था। अधिकारी के अनुसार, अमेरिकी विध्वंसक स्टेथम युद्धपोत पार्सेल आइलैंड्स द्वीपसमूह में छोटे से द्वीप ट्राइटन से 22 किलोमीटर के दायरे में होकर गुजरा।गौरतलब है कि इस द्वीप पर चीन के अलावा ताइवान और वियतनाम भी अपना दावा जताते हैं। अब अमेरिका के इस अभियान से चीन भड़क सकता है। डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति कार्यकाल में अमेरिका द्वारा उठाया गया इस तरह का यह दूसरा कदम है। इससे पहले 25 मई को अमेरिका का गाइडेड मिसाइल विध्वंसक युद्धपोत मिसचीफ रीफ से 22 किलोमीटर से भी कम के दायरे में पहुंच गया था। मिसचीफ रीफ भी दक्षिण पार्सेल द्वीपसमूह के विवादित द्वीप का हिस्सा है। बीजिंग दक्षिण चीन सागर के ज्यादातर क्षेत्रों पर अपना दावा करता है। ब्रुनेई, मलयेशिया, पिलीपींस, ताइवान और वियतनाम भी इस पर अपना अधिकार जताते हैं। अमेरिका का कहना है कि हर देश 22 किमी के दायरे में अपने क्षेत्रीय समुद्र में संपर्क स्थापित कर सकते हैं।

Business News / बिजनेस न्यूज़

जीएसटी इम्पैक्ट: मारुति ने ग्राहकों को दिया तोहफा, 3 प्रतिशत तक घटाए कार के दाम

नई दिल्ली, (आरएनएस)। जीएसटी यानी वस्तु एवं सेवा कर बीती रात 12 बजे संसद के केंद्रीय कक्ष में तमाम बड़े नेताओं और मंत्रियों की उपस्थिति में लागू हो गया। इसके बाद आज (शनिवार) से ही इसका असर भी दिखने लगा है। ग्राहकों को तोहफा देते हुए मारुति ने कुछ कारों के दाम में कटौती की है। वहीं कुछ कारों के दाम बढ़ाए भी गए हैं। जानकारी के अनुसार, मारुति ने ऐलान किया है कि कुछ चयनित कारों पर कंपनी ने तीन फीसदी तक दाम कम कर दिए हैं। वहीं, सियाज और एर्टिगा डीजल कारों के दाम बढ़ाए हैं। कंपनी ने एक लाख रुपये दाम बढ़ा दिए हैं। इससे पहले जीएसटी लागू करने से पहले संसद में भाषण देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने जीएसटी को गुड एंड सिंपल टैक्स बताया। उन्होंने कहा कि गुड का मतलब टैक्स के ऊपर टैक्स न लगने की प्रक्रिया और सिंपल का मतलब पूरे देश में एक समान कर व्यवस्था और एक सरल फर्म के जरिये व्यापार का ब्योरा देना।

केंद्र की चीनी पर आयात शुल्क बढ़ाने की तैयारी

नई दिल्ली, (आरएनएस)। केंद्र सरकार चीनी पर आयात शुल्क को बढ़ाकर 60 फीसद करने पर विचार कर रही है। इसका मकसद चीनी के बढ़ते आयात पर अंकुश लगाना और घरेलू बाजार में कीमतों को गिरने से रोकना है। चीनी के दाम घटने से मिलें किसानों गन्ना मूल्य बकाया चुकाने की हैसियत में नहीं रह जाएंगी। फिलहाल विदेश से आने वाली चीनी पर 40 फीसद आयात शुल्क वसूला जा रहा है। चालू मार्केटिंग वर्ष 2016-17 में उत्पादन घटने के अनुमान को देखते हुए सरकार ने अप्रैल में

शून्य आयात शुल्क पर पांच लाख टन कच्ची चीनी (रॉ शुगर) विदेश से मंगाने की अनुमति दी थी। यह चीनी पहले ही आयात की जा चुकी है। इसके अलावा तीन लाख टन चीनी 40 फीसद के ऊंचे शुल्क के बावजूद ब्राजील से आयात की जा रही है। खाद्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, 'हम चीनी की ग्लोबल कीमतों पर नजर रखे हुए हैं। अंतराष्ट्रीय बाजार में चीनी के दाम गिर रहे हैं। कुछ आयातक 40 फीसद आयात शुल्क के बावजूद विदेश से चीनी मंगाना चाह रहे हैं। इसलिए हम आयात शुल्क और बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं।' फिलहाल थोक बाजार में चीनी की कीमत 32 रुपये प्रति किलो के ऊपर बनी हुई है। सरकार ने चीनी उद्योग से भी कहा है कि ग्लोबल और घरेलू कीमतों के बीच अंतर को बनाए रखें, ताकि व्यापारियों को विदेश से आयात करने में खास फायदा नहीं दिखे। अगर विदेश से आपूर्ति बढ़ेगी, तो घरेलू बाजार में चीनी कीमतें दबाव में आ जाएंगी। देश में चीनी की सालाना मांग 2.45 करोड़ टन के आसपास है। मौजूदा चीनी सत्र (अक्टूबर से सितंबर) में 2.1 करोड़ टन रहने का अनुमान है। मगर स्टॉक में पिछले वर्ष की काफी चीनी पड़ी हुई है।

सुरक्षाबलों ने मार गिराए 2 आतंकी

तीसरे की तलाशी अभियान जारी

श्रीनगर, (आरएनएस)। कश्मीर बनेगा दारुल इस्लाम का नारा देने वाले दुर्दांत आतंकी जाकिर मूसा की नकेल कसते हुए सोमवार की सुबह सुरक्षाबलों ने बामनु-पुलवामा में उसके दो साथियों को मार गिराया। इस बीच, इतवार की रात को मलंगपोरा में हुई मुठभेड़ में लश्कर आतंकी रियाज नायकू अपने दो साथियों समेत, स्थानीय ग्रामीणों द्वारा सुरक्षाबलों पर किए गए भीषण पथराव की आड़ में बच निकला। मिली जानकारी के अनुसार, सुरक्षाबलों ने वित्तमंत्री डा हसीब द्राबु के निर्वाचन क्षेत्र राजपोरा के साथ सटे बामनु गांव में दो से तीन आतंकियों के छिपे होने की सूचना पर आज सुबह साढ़े सात बजे एक अभियान चलाया। आतंकियों को जवानों के आने की भनक लग गई और वह सुरक्षित जगह की तरफ भागे। जवानों ने उनका पीछा कर उन्हें मुठभेड़ में उलझा लिया और कुछ ही देर में एक आतंकी को मार गिराया। मारे गए आतंकी का शव अपने कब्जे में लेते हुए उसके दो अन्य साथियों के खिलाफ सुरक्षाबलों ने अपना अभियान का जारी रखा। सुबह नौ बजे एक और आतंकी को मार गिराया। संबंधित अधिकारियों ने बताया कि मारे गए दोनों आतंकी हिजबुल मुजाहिदीन के बागी कमांडर जाकिर मूसा के करीबियों में है।इनमें से एक किफायत है और दूसरा जहांगीर। फिलहाल,तीसरे आतंकी की पहचान नहीं हुई है और उसे भी कुछ ही देर में जिंदा अथवा मुर्दा पकड़ लिया जाएगा। इससे पूर्व पुलवामा जिले में ही इतवार की रात को लश्कर आतंकी रियाज नायकू अपने दो साथियों संग सुरक्षाबलों की घेराबंदी में फंस गया। सुरक्षाबलों को अपने ठिकाने की तरफ आते देख उसने आतंकियों ने सुरक्षाबलों से रोकने के लिए उसने गोलियां चलाते हुए वहां से भागने का प्रयास किया। इस बीच, ग्रामीण भी वहां जमा हो गए और उन्होंने आतंकियों को मार गिराने में जुटे जवानों पर पथराव शुरु कर दिया। जवानों ने ग्रामीणों के पथराव को झेलते हुए आतंकियों के खिलाफ अपने अभियान को जारी रखा। लेकिन आधी रात के बाद आतंकी वहां से भाग निकले।

कुछ ही दिन रहेगी ई-कॉमर्स कंपनियों को मिली राहत

नई दिल्ली, (आरएनएस)। सरकार की तरफ से ई-कॉमर्स कंपनियों को टीडीएस (स्रोत पर कर कटौती) और टीसीएस (स्रोत से कर संग्रह) पर दी गई राहत बहुत ज्यादा दिनों तक जारी नहीं रहेगी। वित्त मंत्रालय ने जीएसटी लागू होने के ठीक दो दिन पहले ई-कॉमर्स कंपनियों को छोटे कारोबारियों (सप्लायर) से टीडीएस व टीसीएस वसूलने में रियायत देने का फैसला किया था। लेकिन कई विशेषज्ञों ने सरकार के इस कदम पर यह सवाल उठाया है कि ई-कॉमर्स का सारा कारोबार ही ऑनलाइन होता है। उन्हें माल की आपूर्ति करने वाले छोटे से छोटे कारोबारी को भी सारा रिकॉर्ड ऑनलाइन रखना होता है तभी कारोबार की सारी प्रक्रिया पूरी होती है। ऐसे में इन्हें दी छूट को लेकर सरकार के भीतर भी आवाज उठ रही है। बहरहाल, वित्त मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि जब ई-कॉमर्स कंपनियों को यह छूट दी गई थी, तभी सरकार ने परोक्ष तौर पर उन्हें स्पष्ट कर दिया था कि ज्यादा दिनों तक यह राहत नहीं रहने वाली है। इसके लिए अभी कोई समय सीमा तय नहीं की गई है, लेकिन निश्चित तौर पर यह कई महीनों तक जारी नहीं रहने वाली है। इस बीच ई-कॉमर्स कंपनियों को कहा गया है कि वे अपने छोटे सप्लायरों को पंजीकृत कराने का काम शीघ्रता से करें। उन्होंने आश्वासन दिया है कि कुछ हफ्तों में यह काम पूरा हो जाएगा। सरकारी अधिकारी अगले महीने की शुरुआत में ई-कॉमर्स कंपनियों के साथ मिलकर पूरी स्थिति की समीक्षा करेंगे। सरकार के पूर्व आदेश से जीएसटी के लिए ई-कॉमर्स कंपनियों का पंजीयन 25 जून से शुरू हुआ था। मगर वित्त मंत्रालय ने 26 जून को एक सूचना जारी कर इन कंपनियों को सप्लायरों की बिलिंग पर एक फीसद टीडीएस काटने के प्रावधान पर रोक लगा दी है। कहा गया है कि छोटे-छोटे सप्लायरों के लिए कुछ दिनों के भीतर जीएसटी पंजीयन कराना आसान नहीं है। इसका सबसे ज्यादा फायदा अमेजन और फ्लिपकार्ट को हुआ है। इन दोनों कंपनियों ने अपने ऑनलाइन साइट पर जीएसटी से ठीक पहले बिक्री का बड़ा अभियान शुरू करने की योजना बनाई थी। अगर इन्हें राहत नहीं मिलती तो इनके कार्यक्रम को धक्का लगना निश्चित था, क्योंकि न तो पंजीयन नहीं कराने वाले सप्लायर की बिलिंग हो पाती और न ही ग्राहकों को समय पर सामान की आपूर्ति मिल पाती।

ट्रांसपोर्टरों को जीएसटी से दो माह की छूट से कर चोरी बढ़ने की आशंका

नई दिल्ली, (आरएनएस)। जीएसटी लागू होने से कुछ राज्यों में चुंगी नाके (चेकपोस्ट) खत्म होने लगे हैं, मगर टैक्स चोरी के डर से आरटीओ व पुलिस की चेकिंग बढ़ गई है। चूंकि ईवे बिल के लिए जीएसटीएन पोर्टल अभी पूरी तरह तैयार नहीं है, लिहाजा केंद्र सरकार ने ट्रांसपोर्टरों को दो महीने की मोहलत दे दी है। लेकिन राज्य सरकारों ने ट्रकों के खिलाफ गश्त बढ़ा दी है। उन्हें आशंका है कि ईवे बिल के कारण जीएसटी से मिली छूट का फायदा उठाकर ट्रांसपोर्टर इन दो महीनों के दौरान जम कर टैक्स चोरी कर सकते हैं। पहली जुलाई से पूरे देश में जीएसटी लागू हो गया है। लॉजिस्टिक्स व ट्रांसपोर्ट व्यवसाय भी इससे अछूता नहीं है। बड़ी लॉजिस्टिक्स कंपनियों, कॉमन कैरियर्स व गुड्स बुकिंग एजेंटों ने इसे अपनाने का संकेत दिया है। लेकिन ईवे बिल की दिक्कतों के कारण वे हिचक रहे हैं। जबकि मझोले ट्रांसपोर्टर पंजीकरण से बचने के कारण जीएसटी का विरोध कर रहे हैं। नतीजतन पहले दिन केवल 25 फीसद माल की बुकिंग होने के समाचार हैं। इससे ट्रक भाड़ों में गिरावट देखने में आ रही है। जीएसटी के चलते कई राज्यों में प्रवेश बिंदुओं पर बिक्रीकर नाके हटाए जाने की खबर है। तमिलनाडु में अधिकांश नाके हट गए हैं, लेकिन आरटीओ और पुलिस की चेकिंग बढ़ गई है। पहले माना जा रहा था कि जीएसटीएन पूरी तरह तैयार नहीं होने से चेक पोस्टें अभी तीन-चार महीने बनी रहेंगी। कई जगहों पर पहले ही दिन चुंगी नाकों का हटना आश्चर्यजनक है। ईवे बिल प्रणाली के तहत 50 हजार रुपये से ऊपर के कंसाइनमेंट का ब्योरा जीएसटीएन नेटवर्क पर डालना और ईवे बिल नंबर लेना जरूरी है। ट्रक ड्राइवर को सामान के कागजात के साथ यह नंबर लेकर चलना होगा। रास्ते में प्रवर्तन एजेंसियां सौ में एक ट्रक का औचक निरीक्षण कर ईवे बिल के साथ सामान का मिलान करेंगी और देखेंगी कि कर चोरी तो नहीं की जा रही है। पिछला अनुभव बताता है कि जब-जब कर व्यवस्था में बदलाव हुआ है, कुछ समय के लिए कर चोरी के मामले बढ़ जाते हैं। इसीलिए एजेंसियां जगह-जगह ट्रकों को रोककर कागजात और सामान की जांच कर रही हैं। इसे देखते हुए ट्रांसपोर्टरों के फिलहाल माल की बुकिंग रोकने से ट्रक भाड़ों में गिरावट का रुख देखने में आ रहा है।